

ग्रीन डे-अहेड मार्केट

प्रलिस के लयः

इंडयन एनर्जी एक्सचेंज, डे-अहेड मार्केट, टर्म-अहेड मार्केट

मेन्स के लयः

भारतीय ऊर्जा बाज़ार में ग्रीन डे-अहेड मार्केट की प्रासंगकता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय मंत्री (वद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा) ने **इंडयन एनर्जी एक्सचेंज** के अंतर्गत एक नया बाज़ार खंड 'ग्रीन डे-अहेड मार्केट' (GDAM) लॉन्च कया है।

- भारत दुनया का एकमात्र बड़ा वद्युत बाज़ार है, जसने वशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा हेतु 'ग्रीन डे अहेड मार्केट' (जीडीएम) प्रारंभ कया है।

इंडयन एनर्जी एक्सचेंज:

- इंडयन एनर्जी एक्सचेंज भारत में पहला और सबसे बड़ा 'एनर्जी एक्सचेंज' है जो बजली की भौतिक डलिवरी, नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र और ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र के लयि एक राष्ट्रव्यापी, स्वचालति ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

डे-अहेड मार्केट (DAM):

- यह मध्यरात्रि से शुरू होने वाले अगले दनि के 24 घंटों में कसि भी/कुछ/पूरण समय के वतरण हेतु एक भौतिक बजली व्यापार बाज़ार है।

टर्म-अहेड मार्केट (TAM):

- TAM के तहत 11 दनों की अवधि के लयि बजली खरीदने/बेचने हेतु अनुबंध कया जाता है।
- यह प्रतभागियों को 'इंट्रा-डे' अनुबंधों के माध्यम से उसी दनि हेतु तथा 'डे-अहेड कांट्रैसी' के माध्यम से अगले दनि के लयि और इसी तरह दैनिक आधार पर दैनिक अनुबंधों के माध्यम से सात दनों तक बजली खरीदने में सक्रम बनाता है।

प्रमुख बदि

परचयः

- यह 'डे-अहेड' आधार पर नवीकरणीय ऊर्जा के व्यापार हेतु संचालति एक बाज़ार है।
- नोडल एजेंसी के रूप में 'नेशनल लोड डसिपैच सेंटर' (NLDC), 'पावर ससिस्टम ऑपरेशन कॉरपोरेशन लमिटेड' (POSOCO) ने GDAM के शुभारंभ के लयि अपेक्षति प्रौद्योगकियों और बुनयादी ढाँचे की स्थापना की है।
- GDAM के साथ कोई भी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन कंपनी एक्सचेंज पर नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना और बकिरी कर सकती है।

GDAM की कार्यवधि:

- यह पारंपरिक 'डे-अहेड मार्केट' के साथ एकीकृत तरीके से कार्य करेगा।
 - यह एक्सचेंज अलग-अलग 'बडिगि वडि' के माध्यम से बाज़ार सहभागियों के लयि पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा दोनों हेतु एक साथ बडिगि का प्रावधान प्रस्तुत करेगा।
- अगर बाज़ार सहभागियों की 'बडिगि' क्षमता हरति बाज़ार में ही समाप्त हो जाती है फरि भी यह तंत्र नवीकरणीय ऊर्जा वकिरेताओं को पारंपरिक खंड के अंतर्गत बडिगि की अनुमति देगा।
- पारंपरिक और नवीकरणीय दोनों के लयि अलग-अलग मूल्य नरिधारति कयि जाएंगे।

■ संभावति लाभ:

○ 'ग्रीन मार्केट' को मज़बूती:

- यह 'ग्रीन मार्केट' को मज़बूती प्रदान करेगा और प्रतस्पर्धी मूल्य सुनिश्चित करेगा, साथ ही यह बाज़ार सहभागियों को सबसे पारदर्शी, लचीले, प्रतस्पर्धी और कुशल तरीके से 'ग्रीन ऊर्जा' में व्यापार करने का अवसर प्रदान करेगा।

○ नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि में तेज़ी लाना:

- यह नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों को बजिली विक्रय के साथ-साथ एक स्थायी एवं कुशल ऊर्जा अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के दृष्टिकोण के प्रतस्पर्धी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि में तेज़ी लाने हेतु एक और विकल्प प्रदान करेगा।
- वितरण कंपनियों अपने क्षेत्र में उत्पादित अधिशेष नवीकरणीय ऊर्जा को बेचने में भी सक्षम होंगी।

○ PPA आधारित अनुबंध मॉडल से बाज़ार आधारित मॉडल में रूपांतरण:

- यह एक 'डोमिनो इफेक्ट' उत्पन्न करेगा, जो धीरे-धीरे बजिली खरीद समझौतों (PPAs) आधारित अनुबंधों से बाज़ार-आधारित मॉडल में रूपांतरण की ओर ले जाएगा।
 - यह वर्ष 2030 तक 450 GW हरित ऊर्जा क्षमता के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने हेतु भारत के लिये मार्ग प्रशस्त करेगा।

○ हरित ऊर्जा की कटौती में कमी:

- यह हरित ऊर्जा की कटौती को कम करेगा, अपर्युक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को अनलॉक करेगा और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों को तत्काल भुगतान सुनिश्चित करेगा।

■ भारत में नवीकरणीय ऊर्जा:

- भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बजिली उपभोक्ता है और नवीकरणीय स्रोतों से वर्ष 2020 में कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता का 38% (373 GW में से 136 GW) के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक भी है।
- वर्ष 2016 में पेरिस समझौते के तहत भारत ने वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 450 GW या अपनी कुल बजिली का 40% उत्पादन करने की प्रतिबद्धता जताई।
 - GDAM को ऐसे समय में प्रस्तुत किया गया है, जब देश कोयले की कमी से जूझ रहा है।
 - देश को जीवाश्म ईंधन के आयातित स्रोतों पर अपनी निर्भरता कम करने की ज़रूरत है।

■ संबंधित पहलें:

- राष्ट्रीय सौर मशिन (NSM)
- राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और SATAT
- लघु जल विद्युत (SHP)
- राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मशिन (NHEM)
- उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना
- राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और SAYAY

स्रोत: पीआईबी

